काल – चक्र

डॉ. सरोज गुप्ता

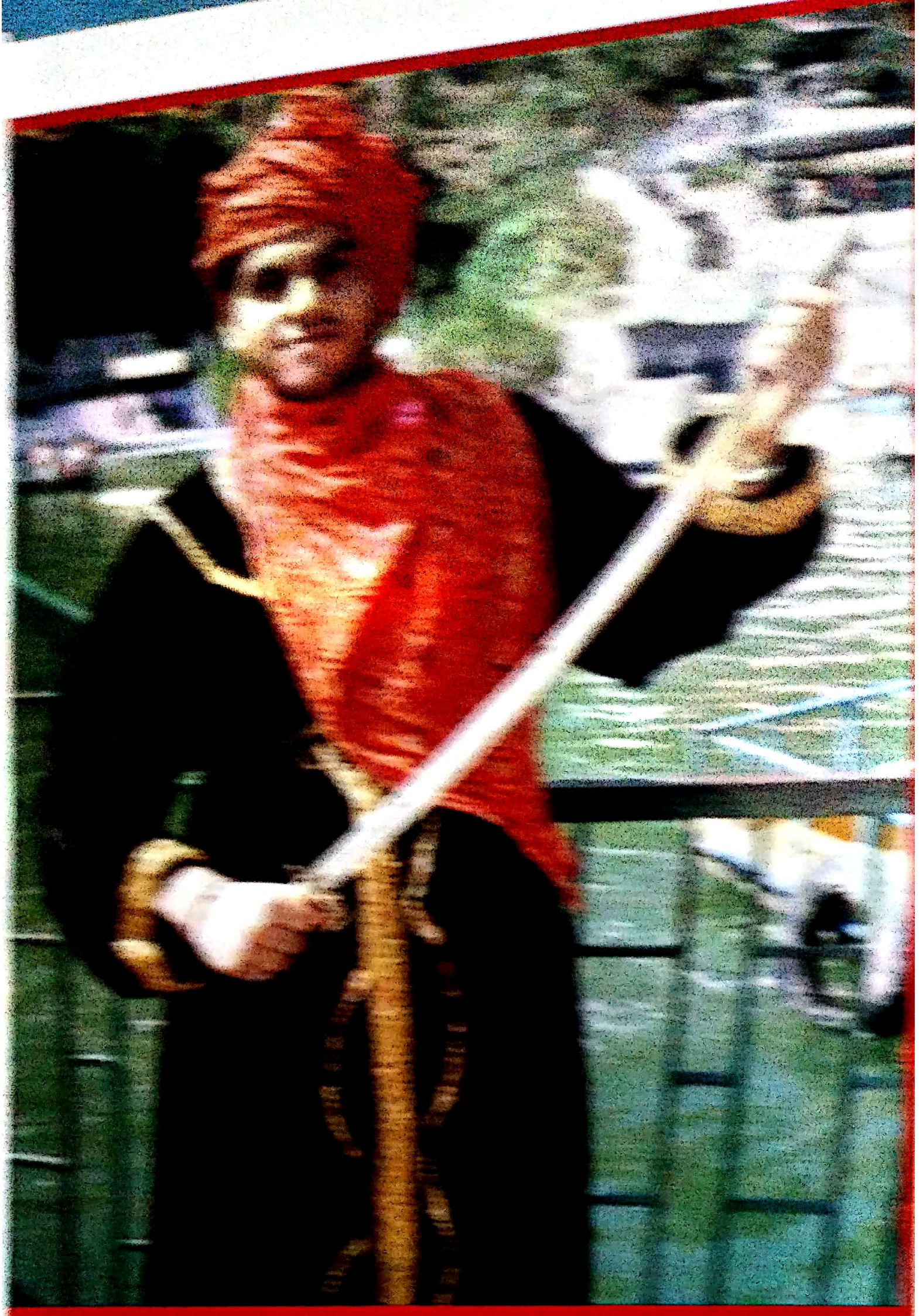

काल-चक्र

(काव्य-संग्रह)

रचयिता

डॉ. सरोज गुप्ता

प्रकाशक

जे एम डी पब्लिकेशन

पोस्ट बॉक्स न. 6649

नई दिल्ली-110018

ISBN : 978-93-82340-26-3
© : रचयिता
प्रथम संस्करण : 2014

प्रकाशक : जे एम डी पब्लिकेशन
एल-51, द्वितीय तल
गली न.-22,
न्यू महावीर नगर
नई दिल्ली-110018

फोन (मोबाइल) : 09312978228 /09213341911
09259380474

आवरण : मनोज कुमार

शब्द संयोजक : अजय कुमार

मुद्रक : गुडविल प्रिन्टर्स (दिल्ली)

मूल्य : रु. 300/- मात्र

शब्द की साधना है 'काल-चक्र'

कवयित्री डॉ. सरोज गुप्ता ने 'काल-चक्र' के अन्तर्गत पूरे चक्र को ही भावनात्मक स्तर पर प्रस्तुत करने का प्रयास किया है। अपने इस काव्य संग्रह में डॉ. सरोज ने जीवन के विभिन्न रंगों को शब्दबद्ध कर संग्रह को विविधरंगी बनाया है। सर्वप्रथम 'गणेश वन्दना' से प्रारम्भ करके कवयित्री ने मध्य युगीन काव्य परम्परा को प्रमुखता देने के साथ-साथ जन समान्य के प्रति जिस सद्भावना को अभिव्यक्त किया है, उसने काव्य संग्रह को एक विशिष्ट पृष्ठ भूमि प्रदान की है 'गणेश वन्दना' की निम्न पंक्तियां देखें-

हे गणपति गणराज
हम सब पर दया करो

X X X

भीषण-भीषण सन्ताप हरो
हे गणपति गणराज।

कवयित्री ने अपनी कविताओं में भारतीय दर्शन के साथ-साथ व्यंग्य, पर्यावरण, अध्यात्म, शासन तंत्र, नारी शक्ति आदि भावों को बड़ी सहजता से उकेरते हुए संग्रह को एक सुरभित स्तवक का स्थान प्रदान किया है, उदाहरण के लिए निम्न पंक्तियां देखें- जिनमें पीड़ा का यथार्थ छलकता है।

आँसू की हर बूँद
बयां करती है

X X X

हर दर्द का अन्त
आँसू ही होता है।

भारतीय जीवन दर्शन को कवयित्री ने 'जिन्दगी एक प्रहसन' शीषर्क से बड़े ही सशक्त ढंग से अभिव्यक्ति प्रदान की है।

जिन्दगी
एक करुण कथा है

अनुक्रम

1.	गणेश वन्दना	17
2.	प्रार्थना	18
3.	ऊँ गुरुवे नमः	19
4.	गुरु वन्दना	20
5.	प्रणति-गाँधी जी	21
6.	भोर	23
7.	दूर्बा	25
8.	पिता	27
9.	माँ शब्द	31
10.	माँ	32
11.	माँ का आशीर्वाद	35
12.	ममत्व	36
13.	एक अभिशप्त माँ	40
14.	माँ और ईश्वर	44
15.	नारी	45
16.	आत्म-मंथन	46
17.	तुम	48
18.	तुम्हारा साथ	49
19.	चाँदनी	50
20.	प्रकृति	52
21.	झरना	54

22.	पार्थ के सत्य	56
23.	प्यार	60
24.	पत्र	62
25.	होली	63
26.	जिन्दगी	64
27.	जीवन	66
28.	सच तुम्हारा	67
29.	वेलेन्टाइन डे	68
30.	सम्बन्ध	71
31.	संघर्षरत आदमी	73
32.	दीप की शुभकामना	74
33.	कोयल	75
34.	अपेक्षा	77
35.	भोर मुस्काने लगी है	78
36.	जीवन क्या है?	80
37.	याद	81
38.	अन्तर्मन	83
39.	सूर्य	85
40.	बातों ही बातों में	86
41.	सपने	88
42.	उलझन	89

43.	शमाँ	90
44.	अपने-पराये	91
45.	दर्द	92
46.	वक्त	93
47.	रिश्ते	95
48.	लम्हे	96
49.	नये-नये	97
50.	वह	98
51.	प्रणति-महादेवी वर्मा	100
52.	श्रद्धांजलि-महादेवी वर्मा	102
53.	सिद्धि शिखर	103
54.	जगमगाता सितारा	105
55.	प्रार्थना-बेटे के लिए	107
56.	मेरा लाड़ला	109
57.	माँ की ममता	110
58.	रे मन!	111
59.	आँसू	112
60.	जिन्दगी	114
61.	नर से भारी नारी	116
62.	काल की गति	120
63.	काल-चक्र	122

64.	अतीत की यादें	123
65.	चिन्तन-मनन	128
66.	दुख भरे दिन	130
67.	वाह किन्नरी	131
68.	माया-मोह	132
69.	दुख	133
70.	शिक्षक संघर्ष	134
71.	शिक्षक समर्थन	136
72.	शिक्षक मंच	137
73.	शिक्षकों की माँग	138
74.	भगीरथी मन	140
75.	शिक्षक हड़ताल	141
76.	शिक्षक का हक	143
77.	प्रणति-शहीदों के प्रति	144
78.	प्रणति-डॉ. आर. डी. मिश्र जी	145
79.	प्रणति-डॉ. कान्ति कुमार जैन जी	147
80.	प्रणति-श्री अखलाक सागरी जी	149
81.	प्रणति-कवि श्री निर्मल चन्द 'निर्मल'	151
82.	प्रणति-डॉ. श्याम सुन्दर दुबे जी	153
83.	प्रणति-डॉ. राधाबल्लभ त्रिपाठी जी	156
84.	प्रणति-गुरु भ्राताश्री	158

गणेश वन्दना

हे गणपति, गणराज
हम सब पर कृपा करो।
हम सब पर दया करो।
सिद्धि सदन, गज बदन विनायक
सबके दुख-संताप हरो।
हे गणपति.....

विपदा हम पर आन पड़ी है
चारों तरफ से आग लगी है
रोग-शोक सब दूर करो।
हे गणपति.....

आप ही जग के तारण हारे
सब कुछ छोड़ हम शरण तिहारे
सारे संतापों से मुक्त करो।
हे गणपति.....

माया-मोह के बन्धन सारे
इनसे बँधे हम जीव बेचारे
भव सागर से पार करो।
हे गणपति.....

जन्म दिया है तो सुख भी दीजै
सबको स्वास्थ्य व रक्षा कीजै
भीषण-भीषण संताप हरो।
हे गणपति.....

जीवन परिचय

नाम : डॉ. सरोज गुप्ता
जन्म : 20 जुलाई, सन् 1963.
जन्म स्थान : बड़ागाँव (झाँसी)
माताश्री : श्रीमती रामप्यारी सरावगी
पिताश्री : (स्व.) बुद्धि प्रकाश सरावगी
पति : डॉ. हरीमोहन गुप्ता
शिक्षा : एम. ए., बी.एड., पीएच. डी.

प्रकाशन : सियारामशरण गुप्त के काव्य में समाज और संस्कृति, धरती सर्जना और सृजन तथा बुन्देलखण्ड की संस्कृति एवं साहित्य पुस्तकें प्रकाशित.

संपादन : प्रेम पराग, बुन्देली साहित्य-स्वास्थ्यपरक गीत, अंक महिमा:ज्ञान खजाना, बुझौवल-बुन्देलखण्डी पहेलियाँ, बुन्देलखण्ड के खेल एवं खेलगीत, उदारचेतामनस्वी बुद्धिप्रकाश सरावगी (स्मृति ग्रंथ), माँ (काव्य संग्रह).

उपलब्धियाँ : विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (भोपाल) द्वारा प्रायोजित माइनर रिसर्च प्रोजेक्ट एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (दिल्ली) द्वारा स्वीकृत मेजर रिसर्च प्रोजेक्ट पूर्ण किये गये.

सम्मान : रिसर्च लिंक सम्मान वर्ष 2002-03.
हिन्दी साहित्य सम्मेलन (प्रयाग) द्वारा प्रशस्ति पत्र वर्ष 2006.
मैत्री पुरस्कार-आत्मीय विद्वत सम्मान वर्ष 2006.
भारतीय भाषा परिषद (उज्जैन) द्वारा सम्मानित वर्ष 2006.
महादेवी स्मृति सम्मान, हिन्दी साहित्य सम्मेलन (प्रयाग) द्वारा वर्ष 2007.
नेशनल अवार्ड एवं राष्ट्र सेवा नेशनल अवार्ड, अखिल भारतीय नारी प्रगति मंच (सागर) द्वारा सम्मानित वर्ष 2009.
हिन्दी जगत के रत्न सम्मान, रवीन्द्र प्रगति मंच आलमपुर (भिण्ड) द्वारा सम्मानित वर्ष2009.
हिन्दी भाषा भूषण सम्मान, साहित्य मण्डल, श्रीनाथ द्वारा (राजस्थान) द्वारा सम्मानित वर्ष 2010.
विशिष्ट हिन्दी सेवी सम्मान, जे.एम.डी. पब्लिकेशन (नई दिल्ली) द्वारा वर्ष 2011.
स्वामी विवेकानन्द सम्मान, नगर विधायक श्री शैलेन्द्र जैन सागर द्वारा सम्मानित वर्ष 2013.

सम्प्रति : महाविद्यालय में सहायक प्राध्यापक (हिन्दी) के पद पर सेवारत.

सम्पर्क : सीमा कॉलोनी, स्नेहनगर, मधुकर शाह वार्ड, सागर (म.प्र.)

9 789382 340263